आज की मुरली का सार -

बाबा ने आज फिर से हमें ड्रामा का पाठ पक्का कराया. बाबा ने अभी तक जो भी ड्रामा के बारे में पोईन्ट्स बताये हे, उसको रिवाईज करेंगे ओर उससे मुझे क्या शिक्षा मिली हे वो हमारे जीवन में धारण करेंगे.

- **ड्रामा एक्युरेंट हैं. --> ये पाइन्ट हमें बेफिक्र बनाता हैं.**
- **ड्रामा हर 5000 वर्ष रिपिट होता हैं. ---> ये पाइन्ट हमें सिखाता हे, अभी जो कर्म करेंगे, वही कर्म ड्रामा के अगले साइकिल में भी करेंगे, तो अब हमें अपना हर कर्म श्रेष्ठ करना ही हैं. बाकी रहा हुवा ड्रामा में हमारा कोई भी पार्ट चले, दुखी नहीं होना हैं.**
- **इस बेहद के ड्रामा में सब आत्माये नम्बरवार पार्ट बजाने आते हैं. ड्रामा में पार्टधारी आत्माओं के नम्बर में फर्क नहीं हो सकता. --> ये पाइन्ट हमें क्यू-क्या के questions से उपराम कर देता हैं.**
- **ड्रामा टिक-टिक जुई मिसल चलता हैं. --> ये पाइन्ट हमें धैर्यता सिखाता हैं.**
- **ड्रामा हर सेकंड चेईन्ज होता हैं. --> ये पाइन्ट हमें साक्षी हो कर ड्रामा को देखना सिखाता हैं. अचानक के समय पर ये पाइन्ट हमें अचल-अडोल रहना सिखाता हैं.**
- **ड्रामा अंतिम चरण में हे - ये पुरानी दुनिया विनाश होनी हे, अब हम अपने बाबा के पास जाते हे फिर सतयुग में आयेंगे. --> ये पाइन्ट हमारी बुद्धि को उपराम बना देता हे, पुरानी दुनिया से नाता तोड़ नयी दुनिया से जोड देता हे.**

बाबा ने कहा, हर आत्मा ने किये हुवे विकर्मो को योग बल से या फिर सजाओ के बल से चुकतु करने ही है.

बाबा हमें बार-बार ये कह रहे हे की खुद को आत्मा समझ मुझ एक परमपिता-परमआत्मा को परमधाम में याद करने से ही आत्मा के विकर्मो को भस्म किया जा सकता हे. अगर हम सही विधि से अपने विकर्म विनाश करने में असफल हरे तो अन्त में मुझे इस विकर्मो को सजाओ के बल से चुकतु करने पडेगे. बाबा ने ये भी कहा की आत्मा को शरीर में रह कर ही सजाये भोगनी हे ओर ये सजाए बहोत कडी होती हे.

एकान्त में बैठ खुद को आत्मा समझ परमप्रिय-परमपिता-परमआत्मा-परमशक्ति-परमप्यारे शिवबाबा को बड़े प्यार से परमधाम में याद करना हे. इसी एक विधि से मेरे विकर्मो विनाश होंगे ओर आत्मा पावन बन जायेगी.

चैकिंग -- बड़ी सच्चाई-सफाई से चेक करना की मेरे कोई पुराने विकार कभी-कभी उछल तो नहीं खाते हैं?

ॐ शांति.